ART INTEGRATED LEARNING ACTIVITIES

शिखर 3

पाठ 1: धूप

1. **रचनात्मक कोना:** सुबह होने पर तुम आसमान में क्या-क्या देखते हो? बताइए। **(पेज 9)**

पाठ 2: शेर और लड़का

1. **रचनात्मक कोना:** शेर के बारे में पाँच पंक्तियाँ लिखिए। **(पेज 19)**

पाठ 3: मैंने पक्षी उड़ा दिए

1. **रचनात्मक कोना:** नीचे अलग-अलग खानों में कुछ शब्द लिखे हैं। उन खानों के क्रम भी दिए गए हैं– **(पेज 27)**
2. सुबह जल्दी उठो और अपने आस-पास के किसी बाग या पार्क में जाओ। वहाँ देखो कि कितने प्रकार की चिड़ियाँ आती हैं। उनके रूप-रंग आदि के बारे में कक्षा में बताइए। **(पेज 27)**
3. आओ, तुम्हें पिंजरे का खेल बताएँ। इसके लिए गत्ते का चोकौर टुकड़ा, जूस पीने वाला पाइप और चिपकाने वाली टेप ले लो। हाँ, पिंजरा और कबूतर का चित्र बनाने के लिए कलम और रंग भी ले लो। **(पेज 27)**

पाठ 4: नन्हा खुदीराम

1. **रचनात्मक कोना:** भारत की आज़ादी के लिए कई महान देशभक्तों ने बलिदान दिया था। उनमें से कुछ देशभक्तों के चित्र किसी पत्रिका या इंटरनेट से प्राप्त कीजिए और उन्हें अपनी कॉपी में चिपकाइए। चित्र के नीचे उनका नाम लिखना मत भूलिए। **(पेज 34)**

पाठ 6: पूछूँ एक सवाल

1. **रचनात्मक कोना:** क्या कभी किसी बात के लिए तुम्हारी पिटाई हुई है। यदि हाँ, तो कब और क्यों? कक्षा में बताइए। **(पेज 41)**
2. मान लो, तुम्हारी नानी जी तुम्हारे पास रहने के लिए आई हैं। तुम्हें उनसे कुछ प्रश्न पूछने हैं। कम-से-कम पाँच प्रश्नों की सूची बनाइए। **(पेज 41)**

पाठ 7: श्यामू की चतुराई

1. **रचनात्मक कोना:** एक मोटे कागज़ को दो टुकड़ों में काट लो। प्रत्येक टुकड़े को पाइप की तरह मोड़कर उसपर टेप लगा दो। फिर मेज़ पर पाइपों को इस प्रकार रखो कि उनका एक सिरा मिल जाए और वे दीवार से सटे भी हों। अब एक पाइप के खुले सिरे से मुँह सटाकर कुछ फुसफुसाओ और अपने मित्र से दूसरे पाइप के खुले सिरे से कान सटाकर रखने को कहो। तुम्हारी आवाज़ दीवार से टकराकर उसे सुनाई देगी। विज्ञान में इसे 'ध्वनि' की 'प्रतिध्वनि' कहते हैं। **(पेज 49)**

पाठ 8: लिंकन की दाढ़ी

1. **रचनात्मक कोना:** अब्राहम लिंकन के बारे में अपनी अध्यापिका से विस्तार से जानिए। **(पेज 56)**
2. भारत के प्रथम राष्ट्रपति की जीवनी पढ़िए। **(पेज 56)**

पाठ 9: बंदर ने बाँटी रोटी

1. **रचनात्मक कोना:** 1. मान लीजिए, तुम्हारे मित्र का टिफ़िन बॉक्स घर पर छूट गया है। विद्यालय में भोजन के अवकाश के समय तुम क्या करोगे? क्या तुम अपना भोजन उसके साथ मिल-बाँटकर खाना चाहोगे? कक्षा में बताइए। **(पेज 64)**
2. 'मेरा प्रिय मित्र' पर एक संक्षिप्त अनुच्छेद लिखिए। **(पेज 64)**

पाठ 11: कहाँ गई गौरैया

1. **रचनात्मक कोना:** छोटी-छोटी पर्चियों पर कुछ पक्षियों के नाम लिख लो। इन पर्चियों को अच्छी तरह से फेंटकर मेज़ पर रख दो। **(पेज 73)**

पाठ 12: पिता जी का कमरा

1. **रचनात्मक कोना:** 'झूठ बोलना अच्छी बात है या बुरी बात।' – कक्षा में इस पर चर्चा कीजिए। **(पेज 81)**
2. राजम जब अपने घर लौटा होगा तब उसने स्वामीनाथन और उसके परिवारवालों के बारे में अपने घरवालों से क्या-क्या बताया होगा? अनुमान से लिखिए। **(पेज 81)**
3. अपनी कॉपी मे अपने प्रिय मित्र का चित्र चिपकाकर उसके विषय में कुछ पंक्तियाँ लिखिए। **(पेज 81)**

पाठ 13: भारत-दर्शन

1. **रचनात्मक कोना:** कल्पना करो कि तुम अपने माता-पिता या अभिभावक के साथ दार्जिलिंग घूमने गए हो। वहाँ तुमने क्या-क्या देखा और कितना मज़ा किया? कक्षा में चर्चा कीजिए। **(पेज 88)**
2. इस पाठ में जिन-जिन दर्शनीय स्थलों के नाम आए हैं, उनमें से कुछ स्थलों के चित्र एकत्र कीजिए और अपनी कॉपी में चिपकाइए। चित्रों के नीचे उनके नाम लिखना मत भूलिए। **(पेज 88)**

पाठ 14: गुरुभक्त आरुणि

1. **रचनात्मक कोना:** हम प्रतिवर्ष 5 सितंबर को 'शिक्षक दिवस' मनाते हैं। अध्यापक/अध्यापिका से पता करो कि यह दिवस 5 सितंबर को ही क्यों मनाया जाता है। **(पेज 94)**

पाठ 16: हिमालय

1. **रचनात्मक कोना:** हिमालय से संबंधित एक कविता की कुछ पंक्तियाँ हैं – **(पेज 102)**

   उच्च हिमालय पर्वतराज,

   खड़ा पहनकर हिम का ताज।

   अपनी अध्यापिका से पूरी कविता सुनिए और उसका अर्थ जानिए।
2. 'हिमालय' के बारे में पाँच वाक्य लिखिए। **(पेज 102)**

पाठ 17: भाग्य का खेल

1. **रचनात्मक कोना:** कभी-कभी खाने में जो चीज़ तुम्हें पसंद नहीं आई होगी, वह तुमने अपने उस मित्र को दे दी होगी जिसे वह चीज़ अच्छी लगती होगी। उस घटना के बारे में कक्षा में बताइए। **(पेज 110)**
2. इस पाठ को नाटक की तरह कक्षा में खेलिए। **(पेज 110)**

पाठ 18: मानव कंप्यूटर-शकुंतला देवी

1. **रचनात्मक कोना:** तुम्हें कौन-सा विषय कठिन लगता है तथा क्यों? अपने अध्यापक/अध्यापिका को बताइए। **(पेज 115)**
2. शकुंतला देवी के बारे में और जानकारी प्राप्त कीजिए। **(पेज 115)**

पाठ 19: घमंडी कुआँ

1. **रचनात्मक कोना:** पुराने ज़माने में लोग पानी के लिए कुँओं का इस्तेमाल करते थे। परंतु, अब कुएँ धीरे-धीरे समाप्त होते जा रहे हैं। इस बारे में जानकारी जुटाइए। **(पेज 123)**

ART INTEGRATED LEARNING ACTIVITIES

शिखर 3

शिक्षक संदर्शिका

पाठ 1: धूप

1. **अध्यापन संकेत:** कविता वाचन से पहले बच्चों से चर्चा करें कि उन्हें गर्मियों तथा सर्दियों की धूप कैसी लगती है। उन्हें बताएँ आज हम धूप की कविता पढ़ेंगे। कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों को मौन वाचन करने के लिए प्रेरित करें। बच्चों से पूछें तथा बताएँ –

   - पूछें, यदि धूप न निकले तब क्या होगा! बच्चों को अभिव्यक्ति का अवसर दें। इससे बच्चों की अनुमान तथा कल्पना शक्ति का विकास होगा।
   - क्या तुमने सूर्य उदय अथवा अस्त होते देखा है, उस समय वह कैसा दिखाई पड़ता है, बताइए।
   - बताएँ कि बारिश के बाद इंद्रधनुष भी धूप के कारण ही निकलता है।
   - पेड़ पौधों के लिए धूप क्यों आवश्यक होती है?
   - जो बच्चे काला होने के डर से धूप में नहीं जाते उन्हें बताएँ कि सूरज की धूप में भरपूर मात्रा में विटामिन डी होता है जो हड्डियों के लिए लाभदायक होता है।
   - कविता की पंक्तियों का भाव स्पष्ट करें तथा कठिन शब्दों का अर्थ बताते जाएँ।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 58)**

पाठ 2: शेर और लड़का

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ वाचन करें, बच्चों से भी पाठ का एक-एक अंश पढ़वाएँ। कठिन शब्दों को उच्चारण के साथ श्यामपट्ट पर लिखते जाएँ तथा उनके अर्थ बताएँ। बच्चों का पाठ की ओर ध्यान सुनिश्चित करने के लिए बीच-बीच में प्रश्न पूछते रहें। बच्चों से चर्चा करें।

   - उन्हें समझाएँ कि मुसीबत में पड़ने पर कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए बल्कि साहस और समझदारी से मुसीबत का हल ढूँढ़ना चाहिए।
   - बच्चों से पूछें कि जब उनसे कोई गलती हो जाती है तो वे घर पर मम्मी-पापा, दादा-दादी या भाई-बहन में से किसे बताते हैं।
   - बच्चों को प्रतिदिन प्रयोग में आने वाली वस्तुओं के माध्यम से संज्ञा शब्दों के बारे में समझाएँ।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 60)**

पाठ 3: मैंने पक्षी उड़ा दिए

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ वाचन से पूर्व पाठ की संक्षिप्त पृष्ठभूमि तैयार करें। बच्चों से पक्षियों के बारे में चर्चा करें। उनसे पूछें, उन्हें पिंजरे में बंद पक्षी अच्छे लगते हैं या आसमान में उड़ते? पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों को पाठ का मूल भाव समझाएँ। यह पाठ रवींद्रनाथ टैगोर के बचपन से जुड़ा है। बच्चों को उनके बारे में बताएँ कि हमारा राष्ट्रीय गान 'जन-गण-मन' रवींद्रनाथ टैगोर ने ही लिखा है। बच्चों से पूछें तथा बताएँ –

- पूछें, क्या पक्षियों को पिंजरों में बंद करना चाहिए?
- क्या तुमने कभी किसी पक्षी को पिंजरे में लटके किसी के घर में देखा है?
- पाठ में लड़के ने पक्षियों को पिंजरों में से उड़ा दिया। अगर तुम उसकी जगह होते तो क्या तुम भी ऐसा ही करते या भाभी की डाँट के डर से पक्षियों को पिंजरे में ही रहने देते?

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 61)**

पाठ 4: नन्हा खुदीराम

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ वाचन से पूर्व बच्चों से कुछ स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पूछें। फिर उन्हें बताएँ कि इस पाठ में हम एक अन्य महान स्वतंत्रता सेनानी के बारे में जानेंगे। पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों को मौन वाचन के लिए प्रेरित करें।
   - बच्चों को नरम और गरम दल के बारे में संक्षिप्त रूप में बताएँ।
   - बच्चों को बताएँ कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने किस प्रकार यह स्वतंत्रता प्राप्त की है।
   - बच्चों में देश के प्रति प्रेम का भाव जाग्रत करने का प्रयास करें।
   - कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ।
   - प्रतिदिन काम आने वाली वस्तुओं तथा बोले जाने वाले शब्दों के द्वारा बच्चों को संज्ञा समझाएँ।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 63)**

पाठ 5: पिंजरे में शेर

1. डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 64)**

पाठ 6: पूछूँ एक सवाल

1. **अध्यापन संकेत:** कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों को कविता का मौन वाचन करने के लिए कहें। बच्चों से पूछें कि क्या उनके मन में भी इस तरह के सवाल उठते हैं। कुछ नया जानने की इच्छा उत्पन्न होती है। बच्चों को अपनी बात रखने का अवसर दें। उन्हें अभिव्यक्ति के लिए प्रेरित करें।
   - कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ।
   - कविता की पंक्ति – 'घोड़े के क्यों लगती नाल?' बच्चों को बताएँ कि घोड़ों के खुरों में लोहे की नाल इसलिए लगाई जाती है ताकि उनके खुर सुरक्षित रहें, घिसे नहीं। जब घोड़ा दौड़ता या चलता है तो उसके पैरों से जो ध्वनि निकलती है वह लोहे की नाल के कारण ही उत्पन्न होती है।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 65)**

पाठ 7: श्यामू की चतुराई

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ वाचन से पूर्व पाठ की संक्षिप्त पृष्ठभूमि बनाएँ। बच्चों को 'ईको' के बारे में समझाएँ। पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से पूछें –
   - उन्हें यह कहानी कैसी लगी?
   - पूछें, यदि श्यामू को प्रतिध्वनि का खेल न आता होता तो वह अपना हीरा कैसे प्राप्त कर पाता!

- यदि तुम श्यामू की जगह होते तो क्या करते!
- कठिन शब्दों का अर्थ बताएँ।
- बच्चों को समझाएँ कि मुसीबत के समय घबराना नहीं चाहिए बल्कि सूझ-बूझ से समस्या का हल ढूँढ़ना चाहिए।
- उन्हें समझाएँ कि दूसरों की वस्तुओं को उनसे पूछकर प्रयोग करना चाहिए तथा झूठ नहीं बोलना चाहिए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 66)**

पाठ 8: लिंकन की दाढ़ी

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ वाचन से पूर्व बच्चों से अब्राहम लिंकन के बारे में बात करें। उन्हें बताएँ कि लिंकन बहुत निर्धन थे। बचपन से ही वे पढ़ने में तेज़, बहुत मेहनती और सहृदय थे। अपने इन्हीं गुणों के कारण वे लोगों में इतने प्रिय हो गए कि अमरीका के राष्ट्रपति पद तक पहुँच पाए। बच्चों को बताएँ कि आज हम अब्राहम लिंकन से जुड़ा एक पत्र पढ़ेंगे। पाठ वाचन करें। बच्चों से पूछें –
   - बच्चों को बताएँ कि वाशिंगटन डी.सी. अमरीका की राजधानी है।
   - क्या उनके पिता जी या बड़ा भाई अपने चेहरे पर दाढ़ी रखते हैं। दाढ़ी में वे कैसे लगते हैं? क्या वे उन्हें कुछ सुझाव देते हैं। यदि हाँ, तो बताएँ।
   - बच्चों से पूछें कि क्या वे अपने किसी मित्र या परिवार के किसी सदस्य की आदतों या व्यक्तित्व में कुछ बदलाव चाहते हैं। अपने सुझाव दें।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 68)**

पाठ 9: बंदर ने बाँटी रोटी

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों को मौन पठन करने के लिए कहें। उनसे पूछें यह नाटक क्या शिक्षा दे रहा है। बच्चों से पूछें तथा समझाएँ –
   - क्या तुम भी बिल्लियों की तरह कक्षा में या घर पर झगड़ा करते हो।
   - उनमें मिल-बाँटकर चीज़ों का उपयोग करने की आदत का विकास करें।
   - समझाएँ कि लड़ने-झगड़ने से कोई समस्या हल नहीं होती।
   - दूसरों की बातों में नहीं आना चाहिए अपनी समझ से निर्णय करना चाहिए।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 69)**

पाठ 10: खान-पान का रखो ध्यान

1. डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 70)**

पाठ 11: कहाँ गई गौरैया

1. डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 72)**

पाठ 12: पिता जी का कमरा

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ पढ़ाने से पूर्व पाठ की ओर ध्यान दिलाने के उद्देश्य से बच्चों से पूछें कि क्या वे अपने मित्रों के घर जाते हैं या उन्हें अपने घर बुलाते हैं। यदि बुलाते हैं तो वे उनका स्वागत कैसे करते हैं आदि। उन्हें बताएँ कि अब हम जो पाठ पढ़ेंगे, उसमें एक बालक अपने मित्र को अपने घर बुला रहा है।

   पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से पूछें तथा समझाएँ –

   - मित्र के घर आना-जाना उन्हें कैसा लगता है।
   - क्या वे भी स्वामीनाथन की तरह अपनी माँ से मित्र के लिए कुछ अच्छा बनाने के लिए कहते हैं।
   - समझाएँ कि घर पर कोई भी मेहमान आएँ उनका आदर करना चाहिए।
   - जब किसी के घर जाएँ तो उनकी वस्तुओं को उनसे पूछें बिना नहीं उठाना चाहिए।
   - अपने माता-पिता की बातें माननी चाहिए।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 73)**

पाठ 13: भारत-दर्शन

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ वाचन से पूर्व बच्चों से घूमने-फिरने संबंधी चर्चा करें। उन्हें बताएँ कि भारत में बहुत से सुंदर-सुंदर दर्शनीय स्थल हैं, जिन्हें देखने पर्यटक देश-विदेश से आते रहते हैं।

   पाठ वाचन करें। बच्चों से पूछें –

   - क्या तुम इन जगहों में से किसी जगह पर छुट्टियाँ बिताने गए हो?
   - ऐसी कौन-सी जगह है, जहाँ तुम घूमने जाना चाहते हो?
   - पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ समझाएँ।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 75)**

पाठ 14: गुरुभक्त आरुणि

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से मौन पठन करने के लिए कहें। बच्चों से पाठ संबंधित चर्चा करें। गुरु का महत्व समझाएँ।

   - पूछें, क्या वे अपने बड़ों की आज्ञा पालन करते हैं या अपनी मनमानी करते हैं?
   - उन्हें आरुणि कैसा लगा? क्या वे भी आरुणि की तरह अच्छा विद्यार्थी बनना चाहेंगे?
   - उन्हें अच्छे विद्यार्थी के गुण बताएँ।
   - यदि तुम आरुणि की जगह होते तो क्या करते! बच्चों को अभिव्यक्ति का अवसर दें।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 76)**

पाठ 15: रखो सफ़ाई का ध्यान

1. डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 78)**

पाठ 16: हिमालय

1. **अध्यापन संकेत:** कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों से भी एक-एक अंश का लययुक्त वाचन करवाएँ। बच्चों को हिमालय के बारे में बताएँ।

   - कविता की पंक्तियों का भाव स्पष्ट करें। 'अडिग हिमालय खड़ा हुआ है, आँधी हो या चाहे तूफ़ान।'– अर्थ है कि हिमालय पर्वत भारत की रक्षा करता है। इसके कारण शत्रु हमारी सीमाओं में घुस नहीं पाता। 'इसकी गोदी में लहराती, गंगा की सुंदर जलधारा।'– अर्थ है कि गंगा नदी हिमालय पर्वत से ही निकलती है और हमारी प्यास बुझाती हुई आगे बढ़ती जाती है।
   - समझाएँ, हमें अपने देश भारत तथा हिमालय पर गर्व करना चाहिए।
   - बताएँ, हिमालय पर कई प्रकार की औषधियाँ एवं जड़ी बूटियाँ भी पाई जाती हैं।
   - समझाएँ, हमें हिमालय के समान ही साहसी और दृढ़-निश्चयी बनना चाहिए।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 78)**

पाठ 17: भाग्य का खेल

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों को मौन पठन करने के लिए कहें। बच्चों से पूछें यह कहानी पढ़ने के बाद आपने क्या सीखा। उन्हें बताएँ–

   - किसी भी काम को करते समय मेहनत करने से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए।
   - हमें स्वयं पर भरोसा रखना चाहिए।
   - समझाएँ, हमें अपना काम अच्छी तरह करना चाहिए, उसका परिणाम कैसा होगा इसकी चिंता नहीं करनी चाहिए।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 79)**

पाठ 18: मानव कंप्यूटर–शकुंतला देवी

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ वाचन से पूर्व पाठ की एक संक्षिप्त पृष्ठभूमि तैयार करते हुए बच्चों से पूछें उन्हें कौन-कौन से विषय अच्छे लगते हैं। क्या उन्हें गणित अच्छा लगता है। उन्हें बताएँ कि अब हम जो पाठ पढ़ेंगे उससे तुम्हारा गणित से लगाव बढ़ जाएगा। पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चे ध्यान से सुन रहे हैं, जानने के लिए बीच-बीच में कुछ प्रश्न पूछें।

   - उन्हें शकुंलता देवी के बारे में बताएँ।
   - समझाएँ कि यदि उन्हें किसी विषय को समझने में परेशानी होती है तो उन्हें इस बात को छुपाना नहीं चाहिए बल्कि अपनी अध्यापिका अथवा माता-पिता को अवश्य बताना चाहिए। वे तुम्हारी आवश्यक मदद करेंगे।
   - बताएँ कि कोई भी विषय मुश्किल नहीं होता केवल थोड़ा ध्यान लगाकर पढ़ना चाहिए।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 81)**

पाठ 19. घमंडी कुआँ

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ वाचन से पूर्व बच्चों से पूछें, क्या वे वस्तुओं को भाई-बहन के साथ बाँटना पसंद करते हैं। पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से पूछें तथा समझाएँ–

- तुम्हें यह कहानी कैसी लगी। इस कहानी को पढ़कर तुमने क्या सीखा।
- समझाएँ, घमंड करना गलत बात होती है, हमें मिलजुलकर रहना चाहिए।
- अपनी गलती को स्वीकार करना चाहिए।
- संयुक्ताक्षरों का अभ्यास करवाएँ।
- बच्चों को समझाएँ कि भूत-प्रेत जैसी कोई चीज़ नहीं होती इसलिए इनसे डरना नहीं चाहिए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 83)**

पाठ 20. टेसू राजा अड़े खड़े

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 84)**